परीक्षा के बाद शत्रु के फाटक पर अधिकार करना

सोचता हूं... आप जानते हैं, मेरे पास जैसे एक छोटा सा विचार है, जब हम वचन को पढ़ते हैं, लोगों को खड़ा होना है। क्या आप ऐसा पसंद नहीं करते? हम प्रतिज्ञा निष्ठा को लेने के लिए खड़े होते हैं, हम अपने राष्ट्र के लिए खड़े होते हैं, अब हम वचन के लिए क्यों नहीं खड़े होते है?

2 जब हम कुछ मिनट के लिए खड़े हुए हैं। ज्यादा समय नहीं हुआ, मैं एक लेख को पढ़ रहा था, और मैं पिछली रात को लोगों के लिए सोच रहा था जो मसीह के लिए खड़े हुए थे। यदि आपने इसे नहीं किया है, तो क्या आप आज इसे नहीं करना चाहेंगे?

3 एक महान सुसमाचारक था, लगभग पच्चतर वर्ष पहले की बात है, मुझे उसका नाम याद नहीं आ रहा है। मैं सोचता हूं वह आर्थर मैककॉय था, और वो देश के उस पार गया था। और एक रात उसे सपना आया था कि वह महिमा के अंदर चला गया है। और वह उस फाटक के पास गया, और उसने कहा उन्होंने उसे अंदर नहीं लिया। और कहा उसने कहा, "मैं आर्थर मैककॉय हूँ, जो संयुक्त राष्ट्र से हूं, मैं एक सुसमाचारक हूं।"

4 सो द्वारपाल अन्दर गया (अब यह एक सपना था) और वह अंदर चला गया, और कहा, "मुझे आपका नाम मिला ही नहीं।"

उसने कहा, "तो, मैं एक सुसमाचारक था।"

उसने कहा, "श्रीमान, मैं... "

5 उसने कहा, "तो ठीक है क्या कोई और मौका है... वहां कुछ तो गलत है।"

6 उसने कहा, "नहीं, श्रीमान। मेरे पास यहां पर किताब है। मैं तुम्हारे नाम को देख भी नहीं पा रहा हूं।"

और उसने कहा, "तो ठीक है, क्या मैं इस विषय में कुछ कर सकता हूं? "

7 उसने कहा, "तुम अपने मामले के लिए सफेद न्याय के सिंहासन पर सुनवाई कर सकते हो।" परमेश्वर, सहायता करना। मैं वहां पर नहीं होना चाहता हूं।

8 उसने कहा, "तो ठीक है, यदि वहीं पर केवल मेरी आशा है, तो फिर मैं सोचता हूं मैं अपने मामले की सुनवाई को करूंगा।"

9 और कहा तब उसने सोचा और वह वहां से दूर चला गया, और बस... और जैसे ही वो बढने लगा वहां पर बहुत ही अंधकार था, वहां से प्रकाश और बढ़ता गया और प्रकाश बढ़ता गया, और कहा ये ऐसा दिखाई दिया वहां पर कोई ऐसा कोई स्थान नहीं था कि वह प्रकाश थम जाए, लेकिन वह ठीक उसके मध्य में था। और कहा उसने कहा, "कौन मेरे न्याय के सिंहासन पर आ पहुंचा है? "

10 उसने कहा, "मैं आर्थर मैककॉय हूँ। मैं एक सुसमाचारक हूं, बहुत से प्राणों को उस देश में भेजा है।"

उसने कहा, "क्या तुम्हारा नाम उस किताब पर नहीं पाया गया था? "

"नही।"

कहा, "तब क्या तुम मेरे न्यायालय में सुनवाई के लिए आये हो? "

"जी हां, श्रीमान।"

11 "तुम्हें न्याय मिलेगा। मैं तुम्हें अपने नियमों के द्वारा तुम्हारा न्याय करूंगा। आर्थर मैककॉय क्या तुमने कभी एक झूठ भी बोला है? "

12 उसने कहा, "मैंने सोचा कि मैं बहुत ही भला व्यक्ति रहा हूं, जब तक मैं इस उजियाले पर नहीं आया था।" उसने कहा, "लेकिन उस उजियाले की उपस्थिति में, मैं एक पापी था।" हम उसी तरह से होंगे। अभी आप बहुत सुरक्षित महसूस कर सकते हैं, लेकिन रूके रहना जब तक आप वहां पर नहीं आते हैं। आप यहाँ पर कैसा महसूस करते हैं, जब वह आपको अभिषेक कर रहा होता है? आप अपने आप को कितना छोटा महसूस कर सकते हैं! तो उस सफेद न्याय के सिंहासन पर क्या होगा?

उसने कहा, "क्या तुमने कभी झूठ बोला है? "

13 उसने कहा, "मैं सोचता हूं मैं तो सच्चा रहा हूं, लेकिन कुछ बातों में, मैं सोचता हूं मैं छोटे–छोटे सफेद झूठ को बोलता था, वे वहां पर बड़े और काले बन गए थे।"

उसने कहा, "हाँ, मैंने कुछ झूठ को बोला है।"

उसने कहा, "क्या तुमने कभी चोरी की है? "

14 उसने कहा, "मैं सोचता हूं मैं बहुत ही इसके बारे में ईमानदार रहा हूं, और कभी भी चोरी नहीं की," लेकिन कहा, "उस उजियाले की उपस्थिति में, मैं—मैं जान गया वहां पर कुछ तो व्यवहार करके मैंने खींचा था, जो कि बिल्कुल ठीक नहीं था।"

उसने कहा, "जी हां श्रीमान, मैंने चोरी की है।"

उसने कहा, "मेरा न्याय... "

15 और वह उसकी सजा को सुनने को तैयार था कि "उसे सनातन की आग में डाल दिया जाए, जो शैतान और उसके दूतों के लिए तैयार की गई है," कहा, "मेरी सारी हड्डियां थरथराने लगी थी।"

16 कहा, "मैंने बहुत ही मधुर आवाज को सुना, जो मेरे जीवन में, मैंने कभी सुनी थी।" उसने कहा, "मैं देखने के लिए पीछे मुड़ा, मैंने सबसे प्यारा चेहरा देखा, जो मैंने कभी देखा था; मां के चेहरे से भी प्यारा चेहरा, मेरी माँ की आवाज से भी मधुर आवाज, जो हमेशा मुझे बुलाती थी।" कहा, "मैंने यहाँ–वहां देखा। मैंने आवाज को सुना, कहा, 'पिता यह सच है उसने झूठ को बोला है और वह तब ईमानदार नहीं था। लेकिन धरती पर वो मेरे लिए खड़ा हुआ था,' कहा, 'अब मैं उसके स्थान पर खड़ा रहूंगा।'"

17 ऐसा ही है जो मैं वहां पर घटित होने के लिए चाहता हूं। मैं अभी उसके लिए खड़ा रहूंगा, कि, जब वह समय आये, वो मेरे स्थान पर खड़ा रहे।

18 आइए उत्पति 22 से पढेंगे, 15, 16, 17, और 18 पदो को।

फिर यहोवा के दूत ने दूसरी बार स्वर्ग से इब्राहीम को पुकार के कहा,

यहोवा की यह वाणी है, कि मैं अपनी ही यह शपथ खाता हूं, कि तू ने जो यह काम किया है कि अपने पुत्र, वरन अपने एकलौते पुत्र को भी, नहीं रख छोड़ा:

इस कारण मैं निश्चय तुझे आशीष दूंगा; और निश्चय तेरे वंश को आकाश के तारागण, और समुद्र के तीर की बालू के किनकों के समान अनगिनित करूंगा, और तेरा वंश अपने शत्रुओं के नगरों का अधिकारी होगा:

और पृथ्वी की सारी जातियां अपने को तेरे वंश के कारण धन्य मानेंगी: क्योंकि तू ने मेरी बात मानी है।

आइये प्रार्थना करे।

19 स्वर्गीय पिता, अब इन शब्दों को लेकर प्रभु और हमारे लिए सेवकाई को करे। होने पाए पवित्र आत्मा वचनो को लेकर सीधे हर एक हृदय के अंदर डाल दे। जिससे आज की दोपहर हमारी अपेक्षाओ को पूरा करे, क्योंकि वे बहुत ही अधिक हैं, प्रभु। और आपने हमें बहुतायात से मांगने के लिए बताया है, जिससे कि हमारा आनंद पूरा हो सके। हम इसे यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

आप लोग बैठ सकते हैं।

20 यदि मैं इस एक विषय को कुछ क्षणों के लिए बोलना चाहूँ। मेरी आवाज थोड़ी धीमी है इसी कारण से मुझे माइक्रोफोन के पास खड़ा रहना होगा। मैं जानता हूं मेरी आवाज गूंज रही है, लेकिन हम थोड़ा सा धीरज रखेंगे। मैं इस पर बताना चाहता हूं: *परीक्षा के बाद शत्रु के फाटक पर अधिकार करना* ।

21 हमारा दृश्य अब्राहम के सबसे अद्भुत दृश्यो में से एक में खुलता है। आप जानते हैं कि अब्राहम विश्वासयोग्य का पिता था। और अब्राहम को प्रतिज्ञा की गई थी। और केवल वही लोग उसके साथ वारिस होते है, मसीह में से होते हुए, केवल वही वह तरीका है हम प्रतिज्ञा को पाते हैं, वह अब्राहम के जरिए से है। अब, अब्राहम एक साधारण सा मनुष्य ही था, लेकिन वह परमेश्वर के द्वारा बुलाया गया था, और वह उस बुलावट के प्रति विश्वासयोग्य था। जब परमेश्वर ने उससे बात की, अब्राहम ने कभी एक बार भी उसकी आवाज़ पर संदेह नहीं किया। वह ठीक उसके साथ बना रहा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि क्या परेशानियां थी, वो ठीक इसके साथ बना हुआ था।

22 और तब उसे एक पुत्र की प्रतिज्ञा दी गई थी। और वह पच्चीस वर्षों तक उस पुत्र को पाने के लिए रुका रहा, कोई भी इसके विरोध में आने दो, हालाँकि यह इसी तरह से था। और बाद में, इस पुत्र में, धरती के सारे परिवार आशीषित होंने थे, और ये महान व्यक्ति उसकी बुलावट और प्रतिज्ञा वचन के प्रति विश्वासयोग्य था।

23 वह उसका एक उदाहरण था कि हमें क्या होना चाहिए। अब हम, मसीह में मरे हुए है, हम अब्राहम के बीज हैं।

24 अब, वहां पर दो अब्राहम के बीज थे। उनमें से एक स्वभाविक बीज था; और दूसरा एक आत्मिक बीज था। उनमें से एक उसके शरीर के द्वारा स्वाभाविक था; और दूसरा एक उसके विश्वास का बीज था, वह विश्वास, जिससे अब हम प्रतिज्ञा वचन के द्वारा अब्राहम के बीज बन सकते है।

25 और अब उसकी पच्चीस वर्षो की लंबी परीक्षा के बाद, ऐसा हुआ था, और वह कमजोर होने की बजाये, वह मजबूत होता गया। देखो, यदि यह पहले वर्ष में नहीं हुआ, अगला वर्ष ये और अधिक अद्भुत होगा, क्योंकि वहां पर वो दो वर्ष हो गए थे। और वो उन वर्षो में बढता गया, जैसे–जैसे वह बुढा होता गया और उसका शरीर मुरझाने लगा था। और सारा का गर्भ, वो गर्भ, या ये बंजर (हो गया) था। और इसीलिए उसकी सारी शक्ति चली गई थी और वहां... ये पूरी तरह से असंभव बात थी।

26 क्या कभी आपने सोचा कि परमेश्वर ने वहां पर क्या किया? देखो, उसने अधिक कुछ भी नहीं केवल उसके गर्भ को उपजाऊ बनाया। क्योंकि याद रखना यदि उसने ऐसा किया, तब याद रखना यदि उसने ऐसा किया... उनके पास उन दिनों में सेहत और स्वास्थ्य बनाने की बोतले नहीं होती थी, बालक को देने के लिए, गाय का दूध था। समझे? उसे यह भी... उसकी दूध की नसें सुख गई थी। इसलिए वो... वहां पर कुछ तो घटित होने जा रहा था।

27 तब इस एक महिला की ओर देखें, सौ वर्ष की आयु, जो प्रसव वेदना के अंदर जा रही है। उसका हृदय इसके लिए तैयार नहीं होगा। आज ये चालीस वर्ष की महिला के लिए करना बहुत ही कठिन है। उसका हृदय इसे लेने के लिए नहीं तैयार था। तो आप जानते हैं उसने क्या किया? यदि आप ध्यान से देखें...

28 अब मैं जानता हूं बहुत से लोग इस बात से सहमत नहीं होंगे। क्या यह बयान को देना ठीक होगा? देखो, मैं... यह मेरे खुद के विचार होंगे।

29 देखो, बाइबल एक अलौकीक किताब है। ये इस तरह से लिखी गई है जो कि धर्म विद्यालयों से और धर्म ज्ञानियों से छिपी हुई है। कितने लोग यह जानते हैं? यीशु ने परमेश्वर को धन्यवाद दिया। उसने कहा, "मैं तुझे धन्यवाद देता हूं, पिता कि आपने इन बातों को ज्ञानी और समझदारों से छिपाकर रखा और इसे बालकों पर प्रकट किया जो सीखना चाहते हैं।" यह एक प्रेम की किताब है। जब परमेश्वर का प्रेम हृदय में आता है, तब

आप परमेश्वर के साथ प्रेम करने लगते हैं, तब वह अपने आप को प्रकट करता है, जो बाइबिल का अर्थ है। बाइबिल का अनुवाद, परमेश्वर स्वयं उसकी प्रतिज्ञाओं का अनुवाद कर रहा है। लेकिन बाइबिल, ये लकीरों के बीच में लिखी हुई है।

30 जैसे अब मेरी पत्नी, ओह, वो सारी दुनिया में सबसे अच्छी महिला है, और मैं सचमुच उससे प्रेम करता हूं। वह मुझसे प्रेम करती है, सो जब मैं अपने घर से दूर रहता हूं, वह मुझे एक पत्र लिखती है, "प्रिय बिल, आज रात मैंने अभी–अभी बच्चों को सुलाया है। मैंने आज कपड़े धोये," और जो कुछ भी उसने किया है और इत्यादि। अब वह पत्र पर कुछ कह रही है। लेकिन, आप देखना, मैं उससे बहुत प्रेम करता हूं, और हम पूरी तरह से एक हैं, इतना तक कि मैं—मैं लकीरों के बीच में पढ़ सकता हूं। मैं जानता हूं कि वह क्या कहना चाहती है, देखो, वह चाहे मुझे बताये या नही बतायें, देखो। मैं—मैं जानता हूं उसका क्या अर्थ है क्योंकि यह मेरा उसके प्रति प्रेम है, और मेरी समझ है।

31 तो, इसी तरह से बाइबल लिखी हुई है। समझे? वे—वे जो धर्म ज्ञानी है ये सीधे उनके ऊपर से निकल जाता हैं; वे इसे कभी नहीं पकड़ पायेंगे। देखो, आपको वचन के साथ, और उसके साथ प्रेम में पड़ना होगा, और "उसे जानना ही।" समझे?

32 अब, अब यहां पर, देखो उसने क्या किया। अब अब्राहम और सारा दोनों ही बूढ़े थे, "आयु में अधिक," बाइबिल ने कहा। अब यह केवल ऐसे नहीं था क्योंकि वे वहां बहुत लम्बे समय तक लोग जीते थे। बाइबिल ने कहा कि, "वे आयु में अधिक थे।"

33 अब ध्यान देना, दूत के उपस्थित होने के तुरंत बाद ही, हम जिसके बारे में बात कर रहे थे; जो एलोहीम था, परमेश्वर। और उसने कहा, अब्राहम को बताया, "मैं जीवन के समय के अनुसार तुमसे मुलाकात करूंगा।" अब ध्यान देना, वहां से लेकर नीचे तक, वे एक कलीसिया का नमूना रहे थे, वहां से लेकर आगे होते हुए।

34 अब देखो। यहां पर क्या घटित हुआ था। अब, उसने ऐसे ही सारा पर ऊपर ही ऊपर से काम नही किया, ऐसे ही अब्राहम पर ऊपर ही ऊपर से काम नही किया। उसने उन्हें एक जवान पुरुष और महिला में बदल दिया। अब यह हो सकता है कुछ विचित्र सा लगे, लेकिन आप बाकी के वचन को

देखें और इसे एक साथ जोड़ दें। वो वचन प्रेरित करता है और आपको वचन के साथ प्रेरित होना है। अब, याद रखें, इस के तुरंत बाद ही, इस दूत के उपस्थित होने के तुरंत बाद...

35 मैं इसे तब सारा के सफेद बालों को देख सकता हूं, छोटी दादी माँ जो अपने कंधों पर शाल को ओढे हुए, और एक धुल से भरी टोपी, हाथों में लकड़ी लिए हुए यहां–वहां जाती हुई। "क्या मुझे मेरे स्वामी से सुख प्रदान होगा, और वो भी बूढे है?" समझे? और यहां पर अब्राहम था, लंबी सी दाढ़ी, हाथ में छड़ी लिए हुए, वो ऐसे ही था, वो आयु में अधिक था।

36 और मैं देखता हूं, अगली सुबह को उसके कंधे ऊपर की ओर सीधे होने लगे, उसकी पीठ का कुबड सही होने लगा। और उसके बाल बदलने लगे। वे वापस एक जवान पुरुष और महिला बन गए थे। यह तो बस यह दिखाता है कि वह अब्राहम के शाही बीज के लिए क्या करने जा रहा है, देखो, जब हम "पलक झपकते ही पल भर में बदल जाएंगे, और एक साथ उठा लिए जायेंगे।"

37 ध्यान देना क्या हुआ था। अब मैं आपको इसे साबित करूंगा। अब वे जहाँ पर थे उस स्थान से यात्रा पर निकले थे, वहां अमोरा के लिए; और वहां से दूर गरार की ओर गए, वहां नीचे पलिश्तीं देश में। क्या आपने ध्यान दिया? नक़्शे पर देखना, ये कितना दूर है। उस उम्र के जोड़ें के लिए ये काफी लम्बी यात्रा है।

38 और फिर इसके बावजूद उस पलिश्तीं देश में—में, वहां पर एक अबिमेलेक नाम का जवान राजा था, और वह एक पत्नी के लिए देख रहा था। और उसके यहां, वे सारी सुंदर पलिश्तीं लड़कियां थी, लेकिन जब उसने दादी माँ को देखा, उसने कहा, "वह दिखने में सुंदर है," और उससे प्रेम करने लगा और वो उसके साथ विवाह करना चाहता था। यह सही है। हूं–हूंह। देखो, वह बहुत ही सुंदर थी। समझे?

39 वह एक जवान स्त्री में बदल गई थी। ध्यान देना, उसे होना था ताकि उस बालक को लेकर आए। और परमेश्वर ने उसे एक नई सृष्टि बनाया। और उसे होना था, इस बालक को पालने के लिए। और याद रखना, अब्राहम, "उसका शरीर लगभग निर्जीव था," और सारा मर गई, जब अब्राहम... इसहाक पैतालीस वर्ष की उम्र का था, और मैं सोचता हूं, जब सारा मरी

थी। और अब्राहम ने एक और स्त्री से विवाह किया और इसके बाद, उसके पास सात पुत्रो के अलावा पुत्रियां थी। आमीन।

40 देखो, लकीरों के बीच में पढ़ लेना। यह एक प्रतीक है। यह दिखाता है कि वो सारे अब्राहम की संतानों के साथ क्या करने जा रहा है। हम बस इसके नजदीक आ रहे हैं, इसलिए हमारे झुके हुए कंधे और इत्यादि इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता, मित्रों। और हमारे सफ़ेद बाल और जो कुछ भी हैं, इससे कुछ फर्क नहीं पड़ता है। हम पीछे मुड़कर नहीं देखते। आइये हम आगे देखे कि हम क्या होने जा रहे हैं।

41 और याद रखना, यह चिन्ह जिसे हम देख रहे हैं वो अंतिम चिन्ह था जिसे अब्राहम और सारा ने देखा, इससे पहले की प्रतिज्ञा का पुत्र अस्तित्व में आए। हम विश्वास करते हैं, हम उसी घड़ी पर हैं।

42 वो महान व्यक्ति, इस पुत्र के जन्म के बाद... क्या आप कल्पना कर सकते हैं, इसहाक लगभग बीस वर्ष की उम्र का प्यारा सा लड़का था, घुंघराले बालो वाला लड़का, छोटी भूरी आंखें? मैं कल्पना कर सकता हूं कि उसकी मां ने कैसा महसूस किया होगा; वो सुंदर जवान महिला, और ऐसे ही उसका पिता था। और एक दिन, परमेश्वर ने कहा, अब एक उदाहरण के लिए; हम दूर आ चुके है, वो घड़ी को आने पर है। "मैं तुम्हें इस लड़के के जरिए से राष्ट्रों का पिता बनाऊंगा, लेकिन मैं चाहता हूं तुम उस लड़के को लेकर उस पहाड़ के ऊपर जाओ, जो मैं तुम्हें दिखाऊंगा और मैं चाहता हूं कि तुम उसे वहां पर एक बलिदान करके मार डालो।" क्या आप इसकी कल्पना कर सकते हैं?

43 अब आपको इस तरह की परीक्षा के लिए नहीं कहा जायेगा? वह अभी ऐसा नहीं करता है। यह तो उदाहरण थे, परछाईयां थी।

44 क्या अब्राहम डरा? नहीं, श्रीमान। अब्राहम ने यह कहा, "मैं पूरी तरह से मान लेता हूं कि वह उसे मुर्दों में से जिलाने के लिए सक्षम है, क्योंकि मैंने उस एक को मृत में से पाया है। और यदि यह परमेश्वर की आज्ञा मुझे इसे करने के लिए कहती है, तो मैं इसके साथ सच्चा बना हुआ हूं और इसकी भरपाई हो चुकी है, मेरे पास ये बालक को होने के लिए; परमेश्वर उसे मुर्दों में से जिलाने के लिए सक्षम है; जिससे यह मुझे मिला है, एक चिन्ह की नाई।"

45 ओह, मेरे, दोस्तों! यदि परमेश्वर आप पेंटीकोस्टलस को पवित्र आत्मा देता है, अन्य भाषा में बोलना, कितना अधिक आपको उसकी चंगाई की सामर्थ में विश्वास करना चाहिये, और उसकी भलाई और करुणा के लिए! यदि उसने इसे देश के सारे धर्म ज्ञानियों के विरोध में किया! उन्होंने कहा ऐसा नहीं किया जा सकता है, लेकिन परमेश्वर ने इसे किया क्योंकि उसने उसकी प्रतिज्ञा की है। तब मैं आपके बंदूक का सामना करूंगा, आपके शब्दो के, आपकी तलवार का सामना करूंगा, मैं परमेश्वर के वचन को विश्वास करता हूँ। परमेश्वर ने ऐसा कहा है, और यह ऐसा ही है!

46 ध्यान देना, वो उसे खच्चर पर वहां से तीन दिन की यात्रा करके ले गया। अब मैं जा सकता हूँ, जब मैं गाड़ियों में जाता था, मैं तीस मील रोज जंगलों में से होते हुए गाड़ी चलाता था; और हमारे पास गाड़ियों के पांव है, वैसे ही बोलने के लिए। लेकिन उन मनुष्यों के पास, केवल जो यहाँ से वहां जाने का साधन था, या तो एक गधे में सवारी करना या—या फिर पैदल चलना। वह जहाँ था वहां से लेकर वो तीन दिन की यात्रा करके वहां पर गया था, और फिर उसने वहां जंगल में अपनी आंखों को ऊपर उठाया और दूर पहाड़ की ओर देखा।

47 उसने इसहाक को लिया और उसके हाथों को बांध दिया। जो, हम सब जानते हैं, यहां उत्पत्ति 22 में है, जो एक मसीह का प्रतीक है। उसे पहाड़ की ओर उसकी अगुवाई की, बंधा हुआ, जैसे यीशु को ऊपर पहाड़ पर जाने की अगुवाई हुई, कलवरी के पहाड़ पर; एक परमेश्वर का प्रतीक जो पुत्र को दे रहा है, निसंदेह।

48 लेकिन जब वे वहां पर गए, और वह आज्ञाकारी था, इसहाक संदेहास्पद होने लगा, उसने कहा, "पिता यहां पर लकड़ी है, यहां पर वेदी है, यहां पर आग है, लेकिन बलिदान कहां पर है? "

49 और अब्राहम, जो अपने मन में जानता था, अब भी परमेश्वर का वचन वहां पर खड़ा हुआ था, उसने कहा, "मेरे पुत्र, परमेश्वर खुद के लिए एक बलिदान का प्रयोजन कर सकता है।" उसने उस स्थान को, "यहोवा यीरे" कहा।

50 और जब उसने उसके पुत्र को बांधा, वह मृत्यु तक आज्ञाकारी था; उसे वेदी पर लेटा दिया, उसने म्यान में से चाकू को निकाला, और अपने खुद

के पुत्र के जीवन को लेने लगा। और जब ऐसा किया, किसी ने उसके हाथ को पकड़ लिया, और कहा, "अब्राहम, अपने हाथ को रोक दो।"

51 और उस समय पर, उसके पीछे, मेंढा मिमियाने लगा, झाडीयों में उसके सिंग फंसे हुए थे।

52 क्या आपने कभी सोचा कि वह मेंढा कहां से आया था? याद रखना, वो देश शेरों से, भेडियों से, गीदड़ो से, भेड़ो के नरभक्षी पशुओं से भरा हुआ था। और वो रोजाना जीवन से कितना दूर था? अंसारी जाति और, तब वहां उस पहाड़ के सबसे ऊपर जहां पर कहीं भी कुछ भी जल नहीं था। उसने यहां वहां से पत्थरों को उठाया, कि वेदी को बनाये। वह मेंढा कहां से आया था? देखा?

53 लेकिन यह एक दर्शन नहीं था। उसने मेंढे को मारा; उसके पास लहू था। उसने क्या कहा? "परमेश्वर खुद के लिए एक बलिदान का प्रयोजन कर सकता है।"

54 कैसे आप कुर्सी पर से चंगाई पाकर खड़े होंगे? कैसे *वो* मंद्बुधि बालक चंगा होगा, या *आप* एक कुर्सी पर से, *आप* वहां से, *आप* जो एक ह्रदय रोगी है? जो कुछ भी आपकी समस्या है, "परमेश्वर खुद के लिए प्रयोजन करने में सक्षम है।"

55 अब्राहम ने उसका विश्वास किया। वह महान व्यक्ति प्रतिज्ञा के लिए सच्चा बना रहा। वह प्रतिज्ञा को देता है कि, "तेरा बीज! क्योंकि तूने मेरे वचन पर विश्वास किया है, परवाह नहीं करते हुए कि परिस्थिति जो भी होने दो, तेरा बीज उसके शत्रु के फाटक पर अधिकार करेगा।"

56 क्यों? हर एक शत्रु जो आता है, एक बड़ी संख्या में, अब्राहम के विरोध में, अब्रा... वो शत्रु, "वह बहुत ही बूढी है। मैं बहुत ही बुढा हूं। और *ऐसा* सब है, जो कुछ भी है।" वह ठीक उस प्रतिज्ञा के साथ अब भी सच्चा बना हुआ था।

57 अब, मनुष्य जो उस विश्वास को रखता है, परिस्थितियों की परवाह नहीं करते हुए, वो अब भी परमेश्वर के वचन को लेगा। अब, यदि आप ऐसा नहीं कर सकते हैं, तब आप अब्राहम के बीज नहीं है। यही वो विश्वास है जो अब्राहम के पास था, उसका बीज।

58 अब्राहम के लिए प्रतिज्ञा थी कि उसका "बीज," अब जो उसका शाही बीज भी है, जैसे मैंने कुछ समय पहले आपको बताया था। और यह मोहर

जो वह अब्राहम को देता है, एक प्रतिज्ञा की मोहर थी। और वो शाही बीज इफिसियों 4:30 के अनुसार, "पवित्र आत्मा के द्वारा मोहरबंद," है, जब भी परीक्षा के बाद खड़े होते है। इस पर सोचने का यत्न करें।

59 बहुत से लोग सोचते हैं उनके पास पवित्र आत्मा है। बहुत से लोग पवित्र आत्मा के होने का दावा करते हैं। बहुत से लोग प्रमाण और इसके चिन्हों को दिखाते हैं। लेकिन, फिर भी, यदि वे वचन के साथ बने नहीं रह सकते हैं, तो वह पवित्र आत्मा नहीं है। देखा?

60 आप हर एक वचन पर विश्वास करते है, तब आप परीक्षा के बाद मोहरबंद होते हैं। जब हम वचन में की हर एक प्रतिज्ञा को विश्वास करते हैं, तब हम आत्मा के द्वारा मोहर बंद होते हैं, प्रतिज्ञा को प्रमाणित करने के लिए। यही है ये, यही है जो अब्राहम, जिस तरह से उसने इसे किया था। उसके बाद, और केवल उसके बाद ही हम ठीक हमारे शत्रु पर फाटकों पर अधिकार रखते हैं। आप इसे नहीं कर सकते हैं, जब तक आप वह बीज नहीं बनते हैं। याद रखना बाइबिल में...

61 मैंने इस पर बताया है, हॉस्टन या कहीं और जगह पर, वह दूसरा... या मेरा मतलब है, डल्लास पर: सन्देश, *चिन्ह* पर।

62 देखो एक—एक यहूदी वहां इस्राएल में दिखा सकता है कि खतने के द्वारा वो एक यहूदी था। लेकिन परमेश्वर ने कहा, "जब मैं लहू को देखूंगा! और लहू आपके ऊपर एक चिन्ह होगा।"

63 वह जीवन जो लहू में था वह आराधना करने वालों के ऊपर नहीं आ सकता था, क्योंकि यह तो जानवरों का जीवन था, यह केवल आने वाले वास्तविक जीवन की एक छाया थी। तब, वो रसायन, लहू खुद, दरवाजे के ऊपर लाल रंग होना था, और उस दरवाजे की चौखट पर होना था।

64 जुफा से लगाना था जो कि एक आम घास थी, यह दिखाता है कि यह होने के लिए आपके पास सर्वोच्च विश्वास नहीं होना है। आप के पास उसी तरह का विश्वास होना है, वो विश्वास आपके पास होता है, जैसे आपको एक कार को चालू करके, कलीसिया में आने का विश्वास होता है। समझे? बहुत से लोग सोचते हैं कि उन्हें कुछ तो बनना है... लेकिन, नहीं, नहीं यह गलत है। आपके पास लहू को लगाने के लिए केवल साधारण सा विश्वास ही होना है। वचन को सुने, और वचन पर विश्वास करे, इसे लगाये, बस इतना ही। पलिश्तीं देश में कही से भी केवल आम घास को ले, जो जुफा

था। बस एक छोटी सी घास को ले, और जो यहाँ–वहां उन दीवारों की दरारों से उग कर बाहर आती है, उनके लहू में डूबा कर और इसे चौखट पर और दरवाजे के ऊपर लगाना है।

65 और, याद रखना, मैं परवाह नहीं करता हूं कि वे कितनी वाचा में थे, कितना भी यहूदी बताने दो कि उनका खतना हुआ है, वो बहुत अच्छा व्यक्ति रहा था, सारी वाचाये निष्फल थी, जब तक वहां पर लहू नहीं होता था। "जब मैं लहू को देखूंगा," केवल वही।

66 अब, वो लहू अभी, वो चिन्ह, रसायन नहीं है, मसीह के लहू का रसायन, क्योंकि इसे हजारों वर्ष पहले बहाया गया था।

67 लेकिन, आप देखना, कहां... वहां पर रसायन को होना है, उन जानवरों का जीवन मनुष्य के ऊपर नहीं आ सकता है, क्योंकि जानवर के जीवन के पास एक प्राण नहीं होता है। वो जानवर नहीं जानता कि गलत से लेकर सही क्या होता है। ये मनुष्य जाति है जिसके पास एक प्राण है।

68 अब, लेकिन जब यीशु, परमेश्वर का पुत्र, जो कुवारी से जन्मा, उसके लहू को बहाया, वो जीवन जो उस लहू में था खुद परमेश्वर था। बाइबिल ने कहा, "हम जीवन के द्वारा बचाए गए हैं, जो परमेश्वर का लहू है।" एक यहूदी का लहू नहीं, ना ही एक अन्य जाति का लहू; लेकिन परमेश्वर का जीवन। परमेश्वर ने इस लहू के कण की सृष्टि की, कुंवारी से जन्मा। वो कभी किसी पुरुष को नहीं जानती थी, ना ही वो कभी... ना ही वो अंडाणु कभी उसमें से आया था।

69 मैं जानता हूं आप में से बहुत से लोग विश्वास करना चाहते हैं कि अंडाणु ने किया। वहां पर बिना एक अनुभूति के अंडाणु नहीं हो सकता है, तब परमेश्वर क्या करता है? देखा?

70 उसने लहू और अंडाणु दोनों की सृष्टि की, और यही परमेश्वर का भवन था, पवित्र। "मैं अपने पवित्र जन को सड़ते हुए नहीं देखुंगा।" देखो, वह अंडाणु कहां से आया? "ना ही मैं उसके प्राण को अधोलोक में छोडूंगा।" उसका शरीर पवित्र था! ओह, प्रभु! आप नहीं, आप इसे विश्वास नहीं कर सकते हैं, तो आप कैसे अपने आप को एक मसीह कह कर बुला सकते हैं?

71 "हम परमेश्वर के लहू के द्वारा बचाए गए हैं।" यहीं पर मेरा विश्वास है। हम ना ही एक नबी के लहू के द्वारा वहां चल कर जाते हैं, ना ही एक

साधारण मनुष्य के लहू के द्वारा वहां चल कर जाते हैं, या एक शिक्षक, या एक धर्म ज्ञानी के लहू के द्वारा। हम वहां पर परमेश्वर के लहू के द्वारा चलते हैं। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। वह मनुष्य जाति बन गया। उसने उसके गुण को बदल दिया। उसने हमारे साथ यहां पर अपने तंबू को तान दिया, और हम में से एक बन गया। वह हमारा छुड़ाने वाला निकट कुटुम्बी है। उसे हमारा कुटुम्बी बनना था क्योंकि ये नियम था। परमेश्वर मनुष्य बन गया, और हमारे बीच में रहा।

72 ध्यान देना, कैसे इसे करते हुए, वह उसमें से आ रहा है, जो परमेश्वर था, वो आत्मा, और वह आत्मा विश्वासियों के ऊपर आती है। इसीलिए वह जीवन जो कि हमारे उस बलिदान में था, हम उसी जीवन के द्वारा पहचाने जाते हैं।

73 तब वे परमेश्वर के जीवन को कैसे लोगों के बीच में चलता–फिरता देख सकते है, और इसे अशुद्ध चीज कह कर बुलाते हैं, कब हमारी इसी बलिदान की पहचान होती है? "जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वह तुम भी करोगे।" उसका जीवन... उस बलिदान से वापस आ रहा है, और जब हम इस पर अपने हाथों को रखते हैं, और हमारे खुद के विचारों के लिए मरे होने की पहचान को देते हैं। तब भला कैसे हम खुद को संप्रदायों को हमें मतों और इत्यादि के अंदर डालने दे सकते हैं, और कहे कि हम इसे विश्वास करते हैं? हम उन चींजो के लिए मरे हुए हैं।

74 पौलुस ने कहा, "इनमें से किसी भी बात से मैं चिंतित नहीं होता," क्योंकि वह एक परम सत्य से जुड़ा हुआ था, जो मसीह है। और हर एक सच्ची सफलता एक परम सत्य के साथ जुडी होती है और मेरा परम सत्य वचन है। और हर एक जन कोई भी है, जो—जो वास्तव में आत्मा से जन्मा है, उनका परम सत्य परमेश्वर का वचन है। मैं इसके साथ जुड़ा हुआ हूं। मैंने अपने हाथों को इस पर रखा है। और इसने मेरे स्थान को लिया है, और मैंने अपनी खुद की पहचान उसके साथ दी है। हम जानते हैं कि उसने हमारे साथ खुद की पहचान देने की प्रतिज्ञा की है। जो सच्चे विश्वास को लाता है; ना ही हमारा खुद का विश्वास, लेकिन उसका विश्वास; कुछ तो ऐसा जो आप नियंत्रण नहीं करते हैं। वह इसे करता है। अब ध्यान देना। तब, और केवल तब वही, जब... वही प्रतिज्ञा आपके साथ की जाती है।

75 कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कितने कलीसियाओ के साथ जुड़े हुए हैं, कितनी बार आपने बपतिस्मा लिया है; आगे झुककर, पीछे की ओर, कहीं भी जहां आप चाहें। जब तक कि वह मोहर आप पर नहीं पायी जाती, तब तक आपके पास कोई भी अधिकार नहीं है कि आप खुद को अपने उस बलिदान के साथ जुड़ा हुआ बताये।

76 और परमेश्वर की मोहर क्या है? इफिसियों 4:30 कहता है, "और परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है।" ना ही एक बेदारी से दूसरी बेदारी, लेकिन वो उस दिन के लिए अनंतता की मोहर है जब आप छुडाये हुए वापस जाते हैं।

77 और, याद रखना, यदि आप परमेश्वर के विचारों में कभी नहीं थे, तो आप परमेश्वर के साथ कभी नहीं होंगे। कितने लोग यह जानते हैं, वह एक छुड़ाने वाला था? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] तो, फिर, हर एक चीज जो छुड़ाई गई है उसे वापस आना है जहां से वह गिरी है। इसलिए यदि वह हमें छुड़ाने के लिए आया है, तो हम कैसे छुड़ाये जा सकते है, हमें एक समय छुडाये जाने की जरुरत नहीं थी, और हम सब "पाप में जन्मे और अधर्मता से गर्भ में पडे और झूठ बोलते हुए संसार में आए है"? यह दिखाता कि वो सच्चा मसीही परमेश्वर के विचारों का एक गुण है, इससे पहले कि संसार हो, तारा हो, या वायु हो या जो कुछ भी हो। यह अनंतकालीन है, और वह हमें वापस छुड़ाने के लिए आया है। यह परमेश्वर के विचार हैं, जो शब्द के अन्दर बोले गए, और प्रकट बने... और उसके विचार वापस लाया।

78 छुड़ाने वाला निकट कुटुंबी! इसी कारण से परमेश्वर को छुड़ाने के लिए हम में से एक बनना था। कोई भी और इसे नहीं कर सकता है। एक दूत इसे नहीं कर सकता है, कोई भी और नहीं। उसे नीचे उतर कर आना था, उसकी परीक्षा होनी थी जैसे हमारी होती है, ताकि हमें छुड़ाये।

79 अब अब्राहम के स्वभाविक बीज को ध्यान दे। आइए कुछ स्वाभाविक बीज को जांचे, और देखेंगे यदि परमेश्वर उसके वचन को स्वाभाविक बीज के साथ रखता है, जो इसहाक था। आइए कुछ स्वाभाविक बीच को देखेंगे, जिन्होंने परमेश्वर की सारी प्रतिज्ञा पर विश्वास किया था और उनके पास कोई प्रश्न नहीं थे। अब याद रखना, वहां पर हजार गुना हजार, हजार

गुना हजार, इसे हजारों से आप गुणा करे, जो खतना किए हुए थे और वे जो कोई भी थे और फिर भी अब्राहम के बीज नहीं थे। निश्चय ही, "क्योंकि वह यहूदी नहीं, जो प्रगट में यहूदी है; यहूदी वही है जो मन में है।" उनमें से बहुत से लोग चूक गए। वे, उनमें से बहुत से, पूरी तरह से चूक गए थे।

80 देखो जंगल में, उन्होंने कहा, "हम... " उस पर्व के दिन पर, या उस सोते से जल पीते हुए, संत यूहन्ना 6। वे सब आनंद कर रहे थे।

81 यीशु ने कहा, "मैं वह चट्टान हूं जो उस जंगल में थी। मैं वह स्वर्ग से उतरी हुई परमेश्वर की रोटी हूँ, यदि कोई मनुष्य खाता है वह कभी ना मरेगा।"

82 उन्होंने कहा, "हमारे बाप–दादाओ ने जंगल में चालीस वर्षों तक मन्ना खाया।"

उसने कहा, "और उनमें से हर एक जन मर गये।"

83 *मरना*, इस शब्द को लेकर और इसे समझे, देखे की इसका क्या मतलब होता है, "अनंतता के लिए अलगाव होना।" फिर भी वे अब्राहम के बीज थे। "*मरने* का मतलब होता है, सर्वनाश, अलगाव, पूरी तरह से नाश हुआ, सर्वनाश।" यीशु ने कहा और उनमें से हर एक जन मर गये, फिर भी वह खतना किए हुए यहूदी थे।

84 देखो, बेचारे वे लोग, क्योंकि हम केवल मेथोडिस्ट हैं, बेप्टिस्ट है, प्रेस्बिटेरियन है, एक छोटी से अंगीकार को करते हैं, और इसी तरह की चीजो को; शैतान बिल्कुल उतना ही विश्वास करता है, जितना हम करते हैं।

85 लेकिन आपको इसके साथ पहचान देनी होगी। परमेश्वर इसके लिए इसकी गवाही को देता है, पवित्र आत्मा से मोहर बंद करने के द्वारा। वचन के प्रश्न नहीं होता है!

86 यदि आप कहते हैं, "तो ठीक है, अब, यह किसी और दिन के लिए है," वहां पर कुछ तो गलत है।

87 क्या हो यदि एक मनुष्य दौड़ता हुआ आये, और उस व्यक्ति को बताये कि वो प्रकाश चमक रहा था, और वह दौड़कर नीचे तहखाने के अंदर चला जाए, कहे, "मैं बस इसे इंकार करता हूं। मैं बस इसे इंकार करता हूं। वहां

पर ऐसा कोई प्रकाश नहीं है। मैं इसे विश्वास नहीं करता"? वहां उस मनुष्य के साथ कुछ तो गलत है। वो दिमागी रुप से परेशान हैं। यदि वह इसकी गर्म किरण को इंकार करता है, और इसके जीवन देने के स्तोत्र को इंकार करता है, तो वहां पर कुछ तो उसके साथ दिमागी रूप से गलत है।

88 और जब एक मनुष्य परमेश्वर के वचन को देखता है, और उसके सामने स्पष्ट बनता है और पहचान देता है, और बाद में वो मनुष्य उसके संप्रदाय के परदे को नीचे खींच लेता है, उस मनुष्य के साथ आत्मिक रूप से कुछ तो गलत है। उसके साथ कुछ तो गलत है। उस मनुष्य के साथ आत्मिक रूप से कुछ तो गलत है। वह बस इसे स्वीकार नही कर सकता है। "अंधा है, और इसे नहीं जानता," वह न्याय के लिए जा रहा है, और परमेश्वर उसका न्यायी होगा।

89 ध्यान दें जब उन्होंने—उन्होंने इसे किया, और ये बीज जिन्होंने इसे विश्वास किया, देखना कि क्या घटित हुआ था। अब आइए उनमें से कुछ को जाचेंगे, जो अब्राहम के बीज है।

90 आइए इब्रानी बच्चो को ले, क्योंकि वे सच्चे खड़े रहे और उन्होंने उस मूर्ति की आराधना को सहन नहीं किया। उन्होंने एक मूर्ति के आगे नहीं झुकने से मना कर दिया जिसे उस देश के राजा ने बनावाई थी। यह एक पवित्र व्यक्ति की बनी हुई थी, जो दानियेल की मूर्ति थी।

91 यह दिखाता है कि अन्य जाति की पीढ़ी को एक गलत दिशा के नीचे लाया गया था, जो पवित्र मनुष्य की मूर्ति की आराधना करना था। यह उसी तरह से होता जाता है, जब लोगो को मनुष्यो की मूर्तियों के आगे झुकने के लिए दबाव डाला जाएगा। यह उस प्रकाशन के द्वारा अन्दर आया, जिसका दानियेल वचन का अनुवाद कर सका था, जो दीवार पर हस्तलेख की लिखावट थी। इसी प्रकार से ये अन्दर आया, और उसी प्रकार से यह बाहर चला जाता है, जो अन्य जाति की मूर्तियां है।

92 ध्यान दें, उन्होंने इसे करने से इनकार किया। और उन्होंने क्या किया था? अब्राहम का बीज वचन के प्रति सच्चा बनकर खडा हुआ, और उन्होंने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया है, उस आग का। उन्होंने इसे किया। तो, परमेश्वर का वचन सच्चा है।

93 दानियेल की एक सच्चे परमेश्वर की आराधना करने पर परीक्षा की गई थी। उसकी इसके लिए परीक्षा की गई थी, और उस परीक्षा के समय पर,

वो खड़ा रहा। और परमेश्वर ने क्या किया, उसके बाद ऐसा दिखाई दिया कि यह उसके लिए मुश्किल है, जैसे हम क्या कहेंगे? और उन्हें समझ नहीं आया कि क्या करना है। वे उसे सिंहो को खिलाने जा रहे थे। लेकिन दानियेल परीक्षा में सच्चा बना रहा, कि वहां पर एक सच्चा परमेश्वर है, और उसने उसके शत्रु के फाटक पर अधिकार किया। परमेश्वर ने सिंहो के मुंह को बंद कर दिया।

94 मूसा उस परीक्षा में परमेश्वर की प्रतिज्ञा के प्रति सच्चा बना रहा, यन्रेस और यम्ब्रेस के गलत अनुवादको के सामने। देखो, परमेश्वर ने उससे मुलाकात की, अलौकिक के साथ, उसे बताया कि जाकर इन चीजों को करें, उन चिन्हों को दिखाता है, और हर एक चिन्ह के पास एक आवाज होगी। मूसा सीधा आगे निकल गया, बिल्कुल वैसे ही सच्चाई से जितना वह जानता था। उसने छड़ी को नीचे फेंका, और वो एक सर्प के अन्दर बदल गयी। आप जानते हैं कि क्या हुआ? और यहां पर नक़ल करनेवाले आकर और उसी चीज को करते है।

95 अब, मूसा ने अपने हाथों को पीछे नहीं हटाया, कहा, "तो, मैं सोचता हूं कि यह सब गलत है।" वह वहां बना रहा और परमेश्वर पर रुका रहा। वह सच्चा बना रहा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वहां पर कितने नकल करने वाले थे, वह सच्चा बना रहा। और जब वह उसके कार्य आदेश के लिए सच्चा बना रहा जिससे कि उन लोगों को उस स्थान से बाहर निकाले, जब उसके मार्ग पर एक जल का फाटक आ गया, परमेश्वर ने उसे इस पर अधिकार दिया, और उसने पवित्र आत्मा के स्तंभ के द्वारा उस फाटक को खोल दिया, जो उनकी अगुवाई कर रहा था। वो लोगों को प्रतिज्ञा देश की ओर ले कर गया।

96 यहोशू, एक और महान अगुवाही करने वाला। केवल दो ही... उसमें से उस प्रतिज्ञा देश के अंदर गए थे, यहोशू और कालीब। वे एक ऐसे स्थान पर आए, जिसे कार्देश कहा जाता था, जो उस समय पर संसार के मध्य में था, यहाँ तक कि यह न्याय का आसन था। और, ओह, उन्होंने उस देश को देखने के लिए वहां पर बारह भेदियो को भेजा, और वे बारह वापस आये।

97 उनमें से दस ने कहा, "ओह, यह बहुत कठिन काम है। हम बस इसे नहीं कर सके। तो, वे लोग, उन लोगो के सामने हम टिड्डीयां दिखाई

देते थे।"

98 लेकिन यहोशू ने क्या किया? उसने लोगों को शांत किया। उसने कहा, "एक मिनट रुकना। हम इसे लेने में इससे भी ज्यादा सक्षम हैं, कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम लोग कितने छोटे हैं, या हमारी संख्या कितनी कम है।" वह क्या कर रहा था? वह उस प्रतिज्ञा के प्रति सच्चा खड़ा हुआ था, "मैं तुम्हें इस देश को देता हूँ," लेकिन तुम्हें इसके हर एक इंच के लिए लड़ना होगा।

99 क्या आप मातायें यह विश्वास करती हैं? परमेश्वर आपको चंगाई को दे चूका है, लेकिन आपको इसके हर एक इंच के लिए लड़ना होगा। "जहां कहीं भी तेरे पांव के कदम पड़ते हैं मैं तुम्हें उस पर अधिकार को देता हूं।" *पद चिन्ह* का मतलब होता है "अधिकार।" यह सब तुम्हारा है, हर एक प्रतिज्ञा तुम्हारी है, लेकिन तुम्हे मार्ग के हर एक इंच में अब लड़ना होगा।

100 अब, यहोशू जान गया कि परमेश्वर ने क्या कहा। वह एक अब्राहम का बीज था। समझे? उसने कहा, "मैं इसे विश्वास करता हूं कि परमेश्वर हमें देश को दिया है, और हम इसे लेने में सक्षम हैं।" और क्योंकि वह परीक्षा में बना रहा, सारे इस्राइलीयों के झुंड के विरोध में, सारी जातियों के, और सारे लोग शिकायत करने लगे और चिल्लाने लगे। यहोशु ने कहा, "शांत रहो! परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है।"

101 कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप लोग कितने बड़े हैं, और कोई भी विरोधी होने दो, और डॉक्टर ने क्या कहा, परमेश्वर ने प्रतिज्ञा को दिया है। यह परमेश्वर पर है कि इसे करें।

102 उसने क्या किया? जब वह यरदन नदी के किनारे पर आया, उसने फाटक पर अधिकार किया। यही है जो उसने—उसने किया था।

103 येरियो, बंद किया गया, जैसे कछुआ खोल में छुप जाता है। उसने क्या किया? उसने फाटक पर अधिकार किया।

104 हर एक दिन जब उसका शत्रु उसे लेने की कोशिश कर रहा था, उसने शत्रु के फाटक पर अधिकार किया, इतना तक कि उसने सूर्य को रुकने की आज्ञा दी। और सूर्य ने उसकी आज्ञा का पालन किया, और चोबीस घंटो तक जरा भी नहीं घुमा।

105 परमेश्वर उसकी प्रतिज्ञा के लिए प्रति सच्चा है, कोई फर्क नहीं पड़ता उसे क्या भी करना पड़े; इससे पहले कि उसका वचन चुके वो स्वर्ग को

खाली कर देगा। वो कभी भी एक प्रतिज्ञा को नहीं करेगा, जिसे वो नहीं पूरा नहीं कर सकता है। "मैं परमेश्वर हूं तुम्हारे सारे रोगों को चंगा करता हूं। यदि वे बीमारों पर हाथ रखेंगे, वे चंगे हो जायेंगे।" आमीन। "यदि वे विश्वास कर सकते है, सारी बातें संभव है।"

106 यहोशु ने इसे विश्वास किया, हालाँकि परमेश्वर ने उस पृथ्वी को घूमने से रोक दिया था। वहां पर कुछ ऐसी सामर्थ के द्वारा इसे थाम लिया, जो उसकी खुद की सामर्थ थी; कि संसार चोबीस घंटो तक कभी भी घुमा नहीं था, जब तक कि यहोशू ने खुद उसके शत्रु पर प्रतिशोध को नहीं ले लिया। उसने फाटकों पर कब्ज़ा कर लिया। निश्चय ही, उसने किया था। परमेश्वर हमेशा ही सच्चा होता है।

107 अब मैं चाहता था, हमारे पास समय होता था तो हम कुछ और शुरवीरो को लेते, लेकिन मेरे पास अब दस मिनट है। देखो, वे सारे बहुमूल्य शुरवीर के जैसे थे, और वे महान विश्वास के योद्धा, वे सारे उस मृत्यु के फाटक पर मर गये। वे सारे ठीक मृत्यु के फाटक पर खत्म हो गए।

108 उसके बाद वहां पर आगे अब्राहम का शाही बीज आता है। वे सारे इसहाक से लेकर स्वाभविक बीज थे। लेकिन यहां पर अब्राहम का शाही बीज आता है, जो मसीह था, अब्राहम के विश्वास का बीज; हमें जो होना चाहिए, हमें तो केवल देखना है कि किस तरह से हम बीज हैं या नहीं हैं। वो स्वभाविक बीज केवल एक प्रतीक था। उन सारे दुसरो का स्वाभाविक जन्म हुआ था, लेकिन वो एक कुंवारी से जन्मा था। देखो, वह तब अब्राहम का बीज नहीं था, एक यहूदी। वो प्रतिज्ञा के विश्वास के बीज के द्वारा आया। और तब हमें इस मनुष्य के जरिए से उसकी संतान होना चाहिए।

109 ध्यान देना, उसने क्या किया। जब वो धरती पर था, उसने हर एक शत्रु के फाटक पर जय पाई और अधिकार किया; उस शाही बीज ने। उसने वचन के द्वारा इसकी प्रतिज्ञा की। उसने इस पर जय पायी। उसने बीमारी के फाटक पर हमारे लिए जय को पाया। यही है वो, जिसे वो करने के लिए आया था। उसने, याद रखे, जो बीमार लोग है, उसने उस फाटक पर जय पायी। आपको इस पर जय नहीं पाना है; उसने इस पर जय को पाया है। दुसरे मनुष्यो को उनके खुद के फाटक पर जय पाना था। लेकिन आपको इस पर जय नहीं पाना हैं, इस पर पहले से ही जय पाया गया है। उसने बीमारी के फाटकों पर जय पाया है। और उसने क्या किया जब उसने

बीमारीयों के फाटकों पर जय पायी? कहते हुए कि वह... जो कुछ भी आप धरती पर मांगते हैं, या आप कुछ भी धरती पर बांधते हैं, वह स्वर्ग में इसे बांधेगा, हमें उस फाटक की चाबीयों को देता है।

110 उसने अभिलाषा के फाटक पर वचन के द्वारा जय पायी। और वो चाबियां थी, "शत्रु को रोक देता है और वो आप में भाग निकलेगा।" उसने इस सब पर जय पायी; हर एक बीमारी पर जय पायी।

111 वो मृत्यु पर विजयी हुआ, और वो अधोलोक पर विजयी हुआ। वो मृत्यु और अधोलोक पर विजयी हुआ। वो जयवंत हुआ, जिस पर वे दूसरे जय नहीं पा सके क्योंकि वे स्वभाविक बीज हैं। यह आत्मिक बीज है। उसने कब्र के फाटक पर जय पायी, और वो तीसरे दिन हमारे धर्मीकरण के लिए जी उठा।

112 "और अब हम जयवंत से भी बढ़कर हैं।" हम केवल एक वारिस की नाई सीधे इसके अन्दर चलकर जाते हैं। "जयवंत से बढ़कर।" अब हम एक हारे हुए शत्रु से व्यवहार कर रहे हैं। बीमारी हारी हुई है। मृत्यु हारी हुई है। अधोलोक हारा हुआ है। हर एक चीज हारी हुई है। ओह, प्रभु! काश मैं अपने आकार में दुगना होता था, अब हो सकता है, मैं लगभग दुगना अनुभव करूं। हम एक हारे हुए के साथ प्रतिकार कर रहे है।

113 कोई अचरज नहीं पौलुस कह सका, जब वे उसके सिर को काटने के लिए एक खांचे को बना रहे थे, उसने कहा, "हे मृत्यु, तेरा डंक कहां है? मुझे दिखाओ कि तुम मुझे कहाँ छटपटाने और चीखने को लगा सकते हो। कब्र, तेरी विजय कहां है, और तुम सोचते हैं कि तुम मुझे वहां पर गाड दोगे? मैं तुम्हें वहां एक खाली कब्र को दिखाऊंगा; और मैं उसी में हूं, वह मुझे अंतिम दिनों में जिलाएगा।" एक हारा हुआ शत्रु!

114 अब्राहम का शाही बीज! अब, वो स्वभाविक बीज उस बात की ओर इशारा नहीं कर पाता है। लेकिन शाही बीज जयवंत हो सकता है, क्योंकि वो हमसे पहले जाकर और हर एक फाटक पर हमारे लिए जयवंत हो चूका है, वह अब दो हज़ार वर्षों के बाद, हमारे मध्य में खड़ा हुआ है, वह सामर्थी जयवंत। ना ही केवल उसने बीमारी पर जय पायी... वो बीमारी पर जय चूका है। उसने प्रलोभन पर विजय पायी। उसने हर एक शत्रु पर विजय पायी। उसने मृत्यु पर विजय पायी। उसने अधोलोक पर विजय पायी। उसने वह कब्र पर विजय पायी, और फिर से जी उठा। और दो हज़ार वर्षो के बाद, वो

यहां हमारे बीच में खड़ा हुआ है, आज दोपहर को, अपनी खुद की पहचान को दे रहा है, सामर्थी जवंवत! आमीन। वह अब भी, जीवित यहां पर है, उसके प्रतिज्ञा को प्रमाणित करते हुए, अब्राहम का शाही बीज! ओह, प्रभु! और वह शत्रु...

115 "वह उसके शत्रु के फाटक पर जय पाएगा।" उन बीजो के लिए, वह यहां पर आज जीवित खड़ा है ताकि खुद को प्रमाणित करें, किसे? वे जो पहले से ठहरायेगे गए बीज है, जो इसे देख सकते हैं। उसने इस पर विजय पायी है। कौन, उसकी परीक्षा के बाद, जो वचन की प्रतिज्ञा है, वे पवित्र आत्मा के द्वारा मसीह की देह में मोहर बंद हुए थे, ताकि उन्हें प्रमाणित करें (क्या?) इब्रानियों 13:8 ऐसा ही होना है। वे वहां पर पवित्र आत्मा के द्वारा मोहर बंद हुए है, वो पवित्र आत्मा जिसे अब्राहम... ने पहले से ही देख लिया था, विश्वास के द्वारा उसने इस पर भरोसा किया। और अब हम इसे ग्रहण करते हैं, उस प्रतिज्ञा की ओर पीछे देखते हुए जो उसने कहा है। और यूहन्ना 14:12 इस अंतिम दिनों में प्रमाणित होता है, उसके खुद के वापस जी उठकर जयवंत होने के द्वारा।

116 ना ही कोई सिद्धांत; लेकिन एक व्यक्ति, मसीह, वो जय पाने वाला। ना ही मेरी कलीसिया, ना ही मेरी बैप्टिस्ट कलीसिया, या आपकी प्रेस्बिटेरियन, मेथोडिस्ट, या पेंटीकोस्टलस, ना ही उनके द्वारा; लेकिन यीशु मसीह के द्वारा। वह आज जीवित है। वो उस पर हमारे धर्मीकरण के लिए जी उठा है।

117 और क्योंकि वह जीवित है, उसने कहा हम भी जीवित रहेंगे। "मनुष्य केवल रोटी के द्वारा नहीं, लेकिन हर एक वचन के द्वारा," ना ही कुछ वचन के भाग के द्वारा, "हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं। वह जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए फिर भी वह जीवित हो जाएगा। जो कोई जीवित है और मुझ पर विश्वास करता है, वह कभी नहीं मरेगा। क्या तुम इसे विश्वास करते हो? " हर एक शत्रु के फाटक को ले लो!

118 वह कैसे जय पा सकता है बोसवर्थ, जब परमेश्वर... बोसवर्थ उस जय पाने वाले में था। और इसी कारण से उसने कहा, "मेरे जीवन की सबसे खुशहाल की घड़ी ठीक अभी है।" हूं–हूंह। वह जानता था कि वह सामर्थी

जयवंत है। उसका भरोसा उसके साथ विश्राम करता है। ओह, प्रभु! अब हम गा सकते हैं:

जीते जी, उसने मुझसे प्रेम किया; मरते हुए, उसने
मुझे बचा लिया;
गाढा गया, मेरे पापों को दूर लेकर गया;
जी उठ कर, उसने हमेशा के लिए बहुतायत से धर्मी
किया;
किसी दिन वह आ रहा है, ओ वो महिमामय दिन!

119 उनके लिए जो हारे हुए दिखाई देते है। एड्डी पेरोनेट, मैं सोचता हूं, ऐसा था, वह उसके मसीह गीतों को नहीं बेच पाया। कोई भी उसके गीतों को नहीं चाहता था। उनका इसके साथ कुछ लेना–देना नहीं था। ओह, हारा हुआ, और एक विश्वासी! एक दिन पवित्र आत्मा उतरकर उस पर आ गया। और उसके शत्रु के फाटक ने उसकी रचना को स्वीकार नहीं किया! वो आत्मा उस पर आ गया, और उसने कलम को उठाया परमेश्वर ने उससे अभिषेकित गीत को लिखवाया।

सब यीशु नाम की सामर्थ की जयजयकार करे!
वे दूत गिरकर दण्डवत करे;
शाही मुकुट को सामने लाये,
और उसे ताज पहनाये जो सबका प्रभु है।

120 अंधी फेनी क्रोसबय, एक दिन, कहा, "तुम्हारा इससे क्या मतलब है? " कुछ... उसने अपने जन्म अधिकार को नहीं बेचा, जैसे पेंटीकोस्टल एल्विस प्रेस्ली ने किया, चर्च ऑफ़ क्राइस्ट के बुन ने किया, या जैसे रेड फोले ने किया, उनकी प्रतिभाओ को संसार के लिए बेच दिया; उन्हें तेज आरामदेह गाड़ियाँ मिली, उन्हें लाखों डॉलर मिले, सुनहरा गोल्ड रिकॉर्ड दिया गया। लेकिन फेनी क्रोसबय उसके स्थान पर सच्ची बनी रही। वह पुकार उठी:

मुझे छोड़ते हुए मत जाना, ओ दयालु उद्धारकर्ता,
मेरी पुकार को सुन लेना;
जब दूसरो को आप बुला रहे हैं
मुझे छोड़ते हुए आगे मत जाना।

आप मेरे सुख का स्तोत्र है,
मेरे लिए जीवन से भी ज्यादा है,
आपके अलावा मेरा धरती पर कौन है?
या स्वर्ग में आपके सिवा कौन है?

121 उन्होंने कहा, "क्या हो यदि तुम अंधी रहती हो, जब तुम स्वर्ग में जाती हो? "

उसने कहा, "मैं उसे किसी भी तरह पहचान लूंगी।"

कहा, "तुम उसे कैसे पहचान लोगी? "

कहा, "मैं पहचान लूंगी।"

कहा, "श्रीमती क्रोसबय तुम लाखों डॉलर कमा सकती हो।"

उसने कहा, "मुझे लाखों डॉलर नहीं चाहिए।"

122 "तुम उसे कैसे पहचान लोगी? " उसने कहा:

मैं उसे पहचान लूंगी मैं उसे पहचान लूंगी
और छुड़ाई हुई उसके पास ही मैं खड़ी रहूंगी;
मैं उसे पहचान लूंगी मैं उसे पहचान लूंगी

123 "यदि मैं उसे नहीं देख सकती हूं। मैं उसके छिदे हुए हाथों से महसूस कर लुंगी।" उसने उसके शत्रु के फाटक पर विजय पायी थी। जी हां।

124 यदि आप मसीह में है! उसने कहा, "यदि तुम मुझ में और मेरा वचन तुम में बना रहे; जो चाबी तुम चाहो, मांगो, कौन से फाटक को तुम लेना चाहते हो; जो तुम चाहो मांगो और यह तुम्हें दिया जाएगा। यदि तुम मुझ में और मेरा वचन तुम में बना रहे, तुम कोई भी शत्रु के फाटक को चाहो ले लो, जो तुम्हारे सामने आता है।" तुम अब्राहम के शाही बीज हो।

125 किस प्रकार का फाटक तुम्हारे सामने खड़ा हुआ है? यदि यह बीमारी है, आप इसके लिए जयवंत से भी बढ़कर हैं। तब हम कह सकते हैं, इस अनुग्रह से भरे हुए पुराने गीत को गाकर:

हर प्रतिज्ञा जो किताब में है मेरी है,
हर एक अध्याय, हर एक पद... और वैसे ही दैविकता
मैं उसके दैविक प्रेम में भरोसा करता हूं,
क्योंकि हर प्रतिज्ञा जो किताब में है मेरी है,

126 हम जयवंत से भी बढ़कर हैं, और अब्राहम का बीज शत्रु के फाटक पर अधिकार करेगा! जब वे कहते हैं यह चीजें नहीं हो सकती हैं, जब वे इसे एक शैतान कहकर बुलाना चाहते हैं, या बालजबुल, ऐसा ही कुछ और, परमेश्वर हर एक फाटक पर जय पाने और शत्रु को लेने के लिए निश्चित है।

आइए प्रार्थना करें।

127 प्रभु, होने पाए अब्राहम का बीज... मैं जानता हूं वे इसे देखेंगे, प्रभु। कैसे वह वचन गिर सकता है बिना उस सच्ची भूमि से टकराये? मैं प्रार्थना करता हूं कि वे अब समझ जायेंगे। होने पाए हर एक व्यक्ति जो प्रार्थना की पंक्ति पर आता है, वह चंगा हो जाए।

128 प्रभु, यदि यहां पर अब भी कुछ ऐसे हैं, जिन्होंने अब तक उनके अंगीकार को नहीं किया है, सार्वजानिक रूप से नहीं खड़े थे और मसीह के लिए नहीं खड़े थे, वे सारे संप्रदाय और ठंडे, गुनगुने, मरी चीजों को इंकार करने के लिए तैयार हैं, जो उन्हें आपसे दूर लेकर जाते है। और होने पाए, वह अब खड़े रहे और कहे, "मैं उसे अपने उद्धारकर्ता की नाई स्वीकार करता हूं।" तब आप उसके लिए उस दिन पर खड़े रहेंगे।

129 जब हमने अपने सिरों को झुकाया हुआ है, यदि वहां पर वे है, जो कुछ समय की प्रार्थना के लिए खड़े होना चाहेंगे, कहे, "मैं अब उसके लिए खड़ा होना चाहता हूं, जिससे वह मेरे लिए उस दिन पर खड़ा रहे, उसकी दैविक उपस्थिति में।" मैं आप से पूछता हूं और आपको उस मौके को देता हूं कि आपका नाम जीवन की किताब में स्थापित हो, यदि आप खड़े होंगे। मैं आपसे किसी भी कलीसिया के साथ जुड़ने के लिए नहीं कह रहा हूं। मैं आपसे मसीह के पास आने के लिए कह रहा हूं, यदि आप यहां पर हैं और उसे नहीं जानते हैं तो।

130 परमेश्वर आपको आशीष दे, पुत्र। यहां कोई और है, जो कहे, "मैं—मैं अब उसके लिए खड़ा रहूंगा।" परमेश्वर आपको आशीष दे, महिला। परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरी बहन। "मैं चाहता हूं... " परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। "मैं इस दोपहर को अपने स्थान को लेता हूं।" यह भले लोग, पुरुष और महिलाएं खड़े हो रहे हैं, "मैं इस दोपहर को अपने स्थान को लुंगा।"

131 और उस दिन पर जब डॉक्टर कहते हैं, "तो, उस रोगी व्यक्ति का; उसका लहू बह रहा है, उस पुरुष पर मृत्यु है, या उस महिला के ऊपर मृत्यु है," और किसी सुबह आपको याद आएगा कि आप उस स्थान पर खड़े थे। आप अब उसके लिए खड़े हुए हैं।

132 "यदि आप मनुष्य के सामने मेरे लिए लज्जित होते हैं, मैं मेरे पिता और उन पवित्र दूतों के सामने तुम्हारे लिए लज्जित होऊंगा। लेकिन यदि तुम मुझे मनुष्य के सामने स्वीकार करते हो, उसे, मैं पिता और उन पवित्र दूतों के सामने तुम्हें स्वीकार करूँगा।"

133 परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरी बहन। क्या वहां पर कोई तो बालकनी में कहीं तो है? ठीक अभी, जब हम रुके हुए हैं। उनमें से कुछ, वहां और कुछ मुख्य सभास्थल पर? तो ठीक है। मैं तुम्हें तुम्हारे वचन पर लेता हूं, मित्र।

134 यदि वो वचन उपजाऊ भूमि पर गिरता है, जैसे वो छोटी स्त्री उस कुएं पर थी, वो—वो समझ गई। उसने स्वर्ग में प्रतिनिधित्व किया था, वहां से... जगत की बुनियाद डालने से पहले। जब वो प्रकाश इस पर चमका, उसने इसे पहचान लिया।

135 परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई। यह एक साहसी... परमेश्वर आपको आशीष दे, मेरे भाई। हो सकता है आपके जीवन में आपने महान चीजो को किया हो; आप सबसे महान चीज को कर रहे हैं, जो आपने अब तक की है, अभी, मसीह के लिए खड़े होकर।

136 हमारे स्वर्गीय पिता, आज की दोपहर को कुछ भूमि पर बीज गिर चूका है। हम देखते हैं कि जीवन फुट कर ऊपर आ रहा है। पुरुष और महिलाये उनके पैरों पर खड़े हुए हैं, और वे सब परमेश्वर की नजर में है, जो सर्वव्यापी, सर्वसामर्थी, सर्वज्ञानी है, उन्हें देखता है। वह आपके हैं, पिता। मैं इन्हें अब आपको विजय चिन्ह नाई देता हूं।

137 होने पाए उनका जो यह अनुभव है जो अब वहां पर खड़े हुए हैं, ये जानते हुए जो उन्होंने किया है, ये जानते हुए इसका क्या अर्थ है, कि वे खड़े हैं ताकि प्रभु के कुछ सताये हुओ के साथ खड़े रहे। होने पाए वे हमेशा ही सच्चे बने रहे जब तक वे उस दिन आपकी उपस्थिति में खड़े ना हो जाये, तब वह मधुर आवाज उनसे कहेगी, "हां एक दिन बेटन रूज़, या एक छोटे से स्थान पर जिसे देंहम स्प्रिंग कहते हैं, वह मेरे लिए खड़ा था, पिता, अब

मैं उसके लिए उस महिला या पुरुष के लिए खड़ा रहूंगा।" इसे प्रदान करें प्रभु। वे आपके हैं, यीशु के नाम में। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे, आपका स्थान लेने के लिए। परमेश्वर हमेशा ही...

138 अब मेरे लिए एक बात को करें। अपने आसपास देखे, वे पास्टर लोग कहां पर हैं, किसी से मिले, उनसे बात करें। यदि आप का मसीही बपतिस्मा में अभी तक बपतिस्मा नहीं हुआ है, वैसा करें। अपने आप को अब विश्वासियों के बीच में लाये, सच्चे विश्वासी, ना ही ढोंगी विश्वासी; सच्चे विश्वासी।

जब हम प्रार्थना करते हैं, आइए इन रूमालो के लिए प्रार्थना करें।

139 स्वर्गीय पिता, यह रुमाल यहां से अब बाहर भेजे जायेगे; कहां, मैं नहीं जानता। हो सकता है कुछ बूढ़े अंधे पिता यहाँ बाहर कहीं पर तो छोटे दलदल में बैठे हुए हो, इन रूमालो के आने के लिए रुके हुए हो; एक छोटी बच्ची वहां अस्पताल के बिस्तर पर पड़ी हुई हो; एक मां पागलो की तरह खड़ी हुई हो, इन रूमालो के वापस आने का इंतजार कर रही हो। स्वर्गीय पिता, मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उनके साथ जायेगे। और आज एक आपके उपस्थिति का चिन्ह, और हमारा विश्वास जो आप में हैं, जैसे हमने आपके वचन को प्रचार किया है. होने पाए वह विश्वास जो अब्राहम में था और वह विश्वास उत्पन्न हुआ था और हमें यीशु मसीह के द्वारा दिया गया, होने पाए इन रुमालो के साथ जाये और हर एक को चंगा करें जिस पर इसे रखा जाए। हम उन्हें यीशु के नाम से भेजते हैं। आमीन।

140 अब कुछ समय के लिए, इससे पहले हम प्रार्थना की पंक्ति बुलाये। और सर्वसामर्थी और पराक्रमी परमेश्वर, एक जो महान हो, पूर्ण रूप से एक... कृपया, दोस्तों, मैं—मैं बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहा हूं, और शायद जब हम नीचे आये, हो सकता है मैं आपसे कुछ भी बात ना करूं; आप में कुछ हो सकता है उस समय से पहले चले जाये। आप जो कोई भी हो, कुछ समय पहले, यदि आप खड़े भी नहीं हुए थे, और आप निश्चित नहीं है...

141 यदि आप एक कलीसिया के सदस्य हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन इससे कुछ भला नहीं होना है। देखो, वो धनी युवा अधिकारी कलीसिया का सदस्य था। समझे? उसने यीशु से पूछा अनंत जीवन पाने के लिए

वह क्या कर सकता है। उसने इसे स्वीकार नहीं किया। वह वहां से चला गया। उस जवान व्यक्ति के लिए इसे करना क्या ही मूर्खता की बात है। उसके स्थान को मत लेना। आपको याद है अंतिम बार वो कहाँ पहचाना गया था? एक कुछ समय के बाद, वह फलने–फूलने लगा। वो धनी होता गया। वो एक ऐसे स्थान पर पहुंचा, इतना तक कि उसके खलिहान फटने लगे। लेकिन तब हम पाते हैं उसकी अंतिम पहचान अधोलोक में हुई थी, वो अग्नि की ज्वाला उसे पीड़ा दे रही थी। नहीं, अपने साथ ऐसा मत होने देना। मसीह को स्वीकार करें।

142 तुम युवा लोग, तुम युवा लड़कियों, युवा लड़के, बस आपके जीवन के मोड़ पर, कृपया इसे करें। अपना भाई होने के नाते—नाते मेरी सुने, वो एक जो आपसे प्रेम करता है। मैं यहां पर हूं क्योंकि मैं आपसे प्रेम करता हूं। मैं परमेश्वर से प्रेम करता हूं, और मैं आपसे प्रेम करता हूं, और मैं परमेश्वर से प्रेम नहीं कर सकता हूँ यदि मैं आपसे नहीं करता हूं तो।

143 बल्कि मैं आपसे अधिक प्रेम करता हूँ, यदि आपके पास मेरे प्रति कहने के लिए कुछ बात होती है तो, आप इसे वहां मेरे बेटे को को बतायेंगे, तो मेरे बच्चों में से किसी एक को बतायेंगे। मुझे बस... मैं इसके बिना चला ही जाऊंगा। कोई भी माता–पिता ऐसा करेगे; ऐसे ही परमेश्वर करेगा। समझे? उसके लोगों से प्रेम करो। एक दूसरे से प्रेम करो।

144 आप कहेंगे, "आपने उन्हें क्यों ड़ाटा? " सच्चा प्रेम सुधार को करता है।

145 यदि आपका बेटा वहां बाहर रास्ते पर बैठा हुआ है, आप कहते हैं, "तो ठीक है, वहां पर वो जूनियर बैठा है, उसे ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन मैं उसकी छोटी सी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना चाहता।" आप उससे प्रेम नहीं करते हैं। वो वहां पर मारा जायेगा। यदि आप उससे प्रेम करते हैं, तो आप उसे अंदर लेकर आयेंगे और उसकी पिटाई करेंगे। और आप उसे आज्ञाकारी बनायेंगे।

146 इसी तरह से परमेश्वर करता है। प्रेम सुधारक होता है, और यही वह सच्चा प्रेम है।

147 जब एक प्रचारक खड़ा होता है और आप महिलाओ को अपने बालों को कटवाने देता हैं, और पेंट को और इत्यादि को पहनने देता हैं, और वह आपको सुधार नहीं करता है, वहां पर कोई भी सच्चा प्रेम नहीं है; और वह इसे नहीं बतायेगा। और पुरुषो को तीन या चार विवाह करने देता हैं, और

उन सारी बातों को और वे इसके साथ बने रहते हैं, वहां पर कोई भी सच्चा प्रेम नहीं है। आपको एक कलीसिया से जोड़ते हैं, और आपकी पीठ को थपथपाते हैं और कुछ मतो से घुटन देते है, बाद में, "यही वो सब है जो तुम्हे करना होगा, केवल पवित्र कलीसिया से जुड़ जाये," वहां पर कोई भी प्रेम नहीं है। या वह मनुष्य या तो पूरी तरह से अपने आप में खो चुका है, वह नहीं देखता है।

148 सच्चा प्रेम सुधारक होता है, और आपको परमेश्वर के वचन की ओर वापस लाता है।

149 यीशु की ओर देखो, कैसे, उसने क्या कहा, क्योंकि उसने उनसे प्रेम किया, इतना अधिक प्रेम किया कि वो उनके स्थान पर मर गया, जब वे यहाँ तक उसके लहू के लिए पुकार रहे थे।

150 अब वह महान पवित्र आत्मा... मैं चाहता हूं आप बस एक मिनट के लिए रुके। मैं रुका हुआ हूं जब तक वह पवित्र आत्मा का अभिषेक मुझ पर नहीं आ जाता है, इससे पहले कि हम आरंभ करें। मैं प्रचार करता आ रहा हूं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं।

151 अब यहाँ हर एक जन, आप जहां कहीं भी हैं, इस ईमारत में किसी भी स्थान पर, कुछ मिनट के लिए प्रार्थना करें, कहे, "प्रभु यीशु, मेरी सहायता कीजिए! मेरी सहायता कीजिए! मैं आपके वस्त्र को छु लु।" यीशु ने कहा, आप जानते हो, जब उस स्त्री ने उसके वस्त्र को छुआ, उसने इसे शारीरिक रूप से इसे महसूस नहीं किया, लेकिन वह पीछे मुड़ा और जान गया कि वह कौन थी और उसने क्या किया था। वह आज की दोपहर वही यीशु है, एक महायाजक जिसे हमारे दुर्बलता के अनुभूति के द्वारा छुआ जा सकता है।

152 क्या आप में से हर एक जन आप विश्वास करते हैं, कि अब ये सच्चाई है, वह परमेश्वर जिसने प्रतिज्ञा को किया है, फिर से एक बार (और हो सकता है वह इसे दिखाये) कि हम सदोम के दिनों में रह रहे हैं? कितने लोग इस इमारत में विश्वास करते हैं, केवल अपने हाथों को ऊपर उठाये।

153 हम रह रहे हैं, जैसे यह सदोम में था। वो सारा तंत्र पूरी तरह से दूषित बन गया है, संसार के तंत्र, हर चीज, कलीसिया के सिद्धांत, राजनीतिक तंत्र। वहां कुछ भी नहीं है। राजनीतिक पूरी तरह से भ्रष्ट हो चुकी है। वे तंत्र,

हर कहीं, हमारे अधिनायक, सारे भ्रष्ट हो चुके हैं। कलीसिया उसी तरह बन गई है। परिवार उसी तरह से बन गए हैं। ये तो बस भ्रष्टता है, सदोम।

154 तब, याद रखना, इससे पहले परमेश्वर ने आपको ले लिया है, तब याद रखें उसने कहा कि वह खुद को मनुष्य के देह में प्रतिनिधित्व करेगा, और वो वैसा ही करेगा जैसे उसने पहले सदोम में किया, इससे पहले कि वह प्रतिज्ञा का पुत्र दृश्य पर आये। उसने प्रतिज्ञा की है कि वो उस एक को भेजेगा जो प्रतिज्ञा के पुत्र के आगे–आगे जायेगा, जैसे उसने पहली बार किया था, जो अवगत करायेगा; और उसने कहा, "जब मनुष्य का पुत्र प्रकट होता है।"

155 मैं आपको नहीं जानता हूं। तो, कुमारी थॉमसन, आपको स्त्री समस्या है और परेशानियाँ है, अब विश्वास करती है कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा? क्या आप इसे विश्वास कर सकती हैं? क्या आप करेंगी? कुमारी, कुमारी थॉमस, आप विश्वास करती हैं कि वह आप को चंगा करेगा? तब अपने हाथों को ऊपर उठाये।

156 वहां पर एक महिला ठीक आपके पीछे बैठी हुई है। वह प्रार्थना कर रही है। उसे गठिया रोग है।

157 एक ठीक उसके पास ही बैठी हुई है, उसे पेट की समस्या है, वो भी प्रार्थना कर रही है। आप इससे चुक जायेगी, आप ध्यान मत देना। आप यहां से से नहीं हैं, आप मिसीसिसीपी से हैं। आप श्रीमान और श्रीमती स्ट्रिंगर है। यदि आप अपने पुरे हृदय से विश्वास करते हैं, यीशु मसीह आप को चंगा करेगा। यदि आप इस विश्वास करते हैं। क्या आप करते हैं? तब आप इसे पा सकते हैं। तो ठीक है। अपने हाथों को ऊपर उठाये, जिससे कि लोग देखें यह आप हैं।

158 मैं उन लोगों को नहीं जानता हूं। मैंने उन्हें मेरे जीवन में कभी भी नहीं देखा है। आपको विश्वास करना होगा, मित्र। वह अपनी खुद की पहचान को दे रहा है। क्या आप अपने पुरे हृदय से विश्वास करते है। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

159 आपने अपने सिर को क्यों हिलाया, श्रीमान और मेरी तरफ इस तरह से क्यों देखा? जी हां, श्रीमान। क्योंकि आपने ऐसा किया है, मैं थोड़ी देर के लिए आपसे बात करूंगा। आप एक प्रकार से एक वृद्ध सज्जन ठीक यहां पर बैठे हुए, मेरी ओर देख रहे हैं। उसने मेरी ओर देखा है, एक ऐसी सच्चाई

के साथ। उसने इसे विश्वास किया है। आप किसी और के लिए प्रार्थना कर रहे हैं, जिसे एक दौरा पड़ा था। लेकिन—लेकिन आपकी जो मुख्य बात है, आप प्रार्थना कर रहे हैं, आपको आवश्यकता है, आप पवित्र आत्मा से बपतिस्मे के लिए मांग कर रहे हैं। यह सही है। हूं–हुंह। यह सही है। यदि आप इसे विश्वास करती हैं, महिला आप इसके अलावा रोजगार के लिए ढूंढ रही हैं, आप शायद जानती होंगी मैं परमेश्वर का नबी हूं या सेवक हूं, तुम्हारे दो ऑपरेशन हुए थे, इसने तुम्हे कमजोर कर दिया हैं। बहुत सी परीस्थितीयां है, आत्मिक परेशानी है। मैं आपको बताना चाहता हूं सब कुछ सही हो चुका है। आपका विश्वास आपको चंगा करता है।

160 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... ठीक आपके पास बैठा हुयी है। वह प्रार्थना कर रही है। यहां पर देखें। उसने आपकी सुनी है, और आपने उसे छुआ है। क्या आप नहीं जानती, लेकिन वह जानता है। मैं तुम्हे बताऊंगा कि तुम किस बारे में प्रार्थना कर रही थी। क्या तुम पुरे हृदय से विश्वास करती हो? तुम्हें एक पित्ताशय की समस्या है, तुम प्रार्थना कर रही हो। क्या तुम विश्वास करती हो कि परमेश्वर आपको चंगा करेगा और आपको ठीक करेगा। आप श्रीमती स्मिथ हैं। यह सही बात है। अपने हाथों को ऊपर उठाये।

161 देखो, वह खुद की पहचान को दे रहा है। यह क्या है? यह अब्राहम का बीज है, वो विश्वास जो अब्राहम के पास था, प्रभु यीशु मसीह हमारे बीच में है, उसके वचन को साबित कर रहा है, इन चिन्हों को दिखाते हुए।

162 कौन, कितने प्रार्थना कार्ड के लिए प्रार्थना की जानी है, अपने हाथों को ऊपर उठाये, जिनके पास कार्ड है? ओह, हमारे लिए अच्छा होगा कि हम प्रार्थना की पंक्ति को आरंभ करें।

163 आप देखें, क्या आप समझे, क्या नहीं समझे? अब वह आत्मा ना ही केवल... यह चंगा नहीं करता है। वह केवल यहाँ होने की अपनी पहचान को देता है। आपके पास्टर के पास बीमारों के लिए प्रार्थना करने का उसी तरह अधिकार है। वे ऐसे नहीं करते हैं; नहीं, बिल्कुल नहीं। लेकिन उनके—लेकिन उनके पास बिल्कुल वही अधिकार है, "यह चिन्ह विश्वासीयों के पीछे जायेंगे।"

164 अब मैं मेरे पास्टर मित्रों को यहां पर चाहता हूं। (क्या यह ठीक रहेगा, श्रोतागण से उन्हें बुलाया जाये... ? ...)

165 यहाँ पर कितने पास्टर लोग है जो अपने पुरे ह्रदय से विश्वास करते हैं, यहां पर कितने सेवक हैं, जो विश्वास करते हैं? ओह, आपका धन्यवाद। मैं सोच रहा था यदि आप यहां खड़े हो जाये? यहां पर आ जाये, यहां मेरे साथ एक मिनट के लिए खड़े रहे, ठीक यहां पर नीचे, बीमारों के लिए प्रार्थना करें। आप देखना की चंगाई जगह लेगी, देखे कि क्या होता है।

166 मैं आपसे चाहता हूं कि यहां पर आकर, यहां पर ठीक दो पंक्ति को बनायें। मैं वहां नीचे मैं बीमारों के लिए प्रार्थना के लिए कुछ ही मिनट पर आ जाऊंगा। मैं चाहता हूं विश्वास करने वाले पास्टर जो अपनी खुद की पहचान विश्वासियों की नाई देना चाहते हैं। कि आप विश्वास करते हैं, कि आप यहां पर आ रहे है आप एक पवित्र, साफ–सुथरे जीवन को जी रहे हैं। याद रखना, यहां पर देखे कि क्या बाहर आता, मसीह के सुसमाचार को प्रतिनिधित्व कर रहे हैं!

167 भाई ब्लेयर, मैं जानता हूं आप वहां पर है, आप और भाई पेट। क्या आप उन दो पंक्तियों को बनायेगे, जिस तरह आप हमेशा बनाते हैं, यदि आप करेंगे, आप और भाई पेट।

168 विश्वास करने वाले पास्टर जो विश्वास करने जा रहे है! अब, देखो, यदि परमेश्वर उसके वचन के द्वारा खुद की पहचान को दे सकता है, उसके वचन के साथ, कितने लोग जानते हैं कि बाइबल में यीशु ने इसे कहा, "ये चिन्ह उनके पीछे जायेगे, जो विश्वास करते हैं। यदि वे बीमार पर उनके हाथ रखेंगे, वे चंगे हो जायेंगे"? पास्टर, आप लोग यहां पर आए हैं, ताकि आप खुद की विश्वासियों की नाई पहचान को दे। आप देते है? आप विश्वासी हैं (क्या ऐसा नहीं है?) नहीं तो आप यहां पर नहीं खड़े होंते। अब यीशु ने क्या कहा? "ये चिन्ह उनके पीछे जायेगे, वे जो विश्वास करते हैं।" मैं आपके साथ एक विश्वासी हूं।

169 मैं नीचे आ रहा हूं। यह हमारे लोग हैं, और हम लोग इस झुण्ड के ऊपर चरवाहे हैं। मैं यहां पर नीचे आ रहा हूं ताकि अब मैं अपने जाल को आप के साथ फैलाऊं, मेरे हाथ को आपके हाथ के साथ डालकर। और जब वे लोग यहां से गुजरते हैं, यदि आपके पास कुछ भी है जो मन में कुछ सन्देह देता है, ठीक अभी यहां से बाहर निकल जाए; इसलिए कि जब वे लोग यहां से होकर जाये, तब हर एक जन वहां से गुजर रहा हो, और हम उन पर हाथों

को रखे, वे चंगे हो जायेंगे। क्या आप अपने पुरे हृदय से अब विश्वास करते हैं, हर एक जन? [सेवक कहते हैं, "आमीन।"—सम्पा।]

170 कितने लोग यहां पर ऐसे हैं जो दूसरों के लिए प्रार्थना करेंगे, जब वे यहां से होकर गुजरे, अपने हाथ को ऊपर उठाये कहे, "मैं प्रार्थना करूंगा।"

171 याद रखना, हो सकता है आपके पिता हो, आपकी माता हो, आप की बेटी हो, या बेटा, बहन या भाई हो। और यदि यह आपके कोई नहीं है, यह किसी और के हैं, जो यहां इस प्रार्थना की पंक्ति से होकर गुजर रहे हैं। और क्या हो यदि यह उन के कोई है, और वे कैंसर से मर रहे हो, या कोई भयानक बीमारी हो, क्या आप हृदय की गहराई से ईमानदार नहीं होना चाहेंगे? निश्चय ही, हम होंगे।

172 अब, मैं विश्वास करता हूं, आप कैसे... अब ये यहां *इस* कतार में, यह *गलियारे* पर, *उस* तरफ पर सामने खड़े हो, प्रार्थना के कार्ड के साथ। उस तरफ पर सामने खड़े हो, वे सब जो दायें भाग पर है। अब, इस तरह से, बाये विभाग को रोके रखे; यहां पर सब भीड़ हो जाएगी, आप देखना, आप नहीं जानते कैसे, हम जो कर रहे हैं। तो ठीक है, वे सब जो *इस* भाग पर हैं, *यहां* पर खड़े हो जाये। अब, वे सब जो इस दाहिने हाथ के भाग पर हैं, तब इस तरफ आ जाए, क्योंकि आपको यहां नीचे आना है, घूमकर आना है।

173 और आप कैसे जायेंगे, वे यहां से बाहर कैसे निकलेंगे भाई बॉर्डर्स? सीधे इस तरफ के दरवाजे से बाहर, यहां से सीधे घूम कर फिर से इस इमारत में आ जायेंगे।

174 तो, जब इस तरह के भाग को कुछ ही मिनटों में बुलाया जाएगा, और वे सब खड़े हो जायेंगे। और आइये अब देखेंगे अब क्या... तो ठीक है, जो लोग इस *भाग* पर हैं, यहां पर इस तरफ घूम जाये। अपने हाथों में प्रार्थना के कार्ड को पकडे रहे, और इस तरफ चले जाये। और आप जो बालकनी में हैं, ठीक नीचे आकर वहां कतार ले अंत पर उनसे मिले। अब ये जो बाहिने हाथ का भाग है, आप बायें हाथ की ओर चले जाये। और तब, आप देखे, एक पंक्ति को बनाकर और वापस पीछे *उस* तरफ जाये; पीछे मुड़े, *उस* तरफ मुड़े। समझे? और आप उस पंक्ति के सीधे पीछे–पीछे घूमते हुए जाए, और बाद हम किसी तरह की उलझन को नहीं चाहते है।

175 और तब आप जो ऊपर बालकनी में है, आप अपने स्थानो को सीधे उन गलियारो में बनाये, और तब ठीक उसके साथ मिल जाए, जब वे इसमें से होकर आते हैं।

176 अब, अभी केवल पीछे से चलना आरंभ करें, हर एक जन सीधे पीछे चलकर जाये, जब आप यहां इस पंक्ति से सीधे *यहां* घूमकर नहीं मिलते हो। केवल सीधा घूमकर *यहां* ऊपर आ जाये, बस चलना आरंभ करें सीधे घूमकर और ठीक *यहां* इस पंक्ति पर आ जाये।

177 ओह, ठीक अभी क्या हो सकता है! क्या हो सकता है! ये एक ऐसा समय होने जा रहा है, जहाँ कुछ तो बात जगह लेना अवश्य है। तो ठीक है।

178 अब, यह ठीक है, सीधे पीछे *उस* तरफ से घूम कर जाए, और सीधे उस पंक्ति में आ जाए, इस तरह से। ठीक इस गलियारे से घुम जाए। अब इसी तरह से करे।

179 आप लोग हर एक अपने पैरों पर खड़े हुए हैं, हम प्रार्थना करने जा रहे है। और यह सभा मेरे साथ–साथ प्रार्थना करेंगी, कि आप चंगे होने जा रहे है। अब केवल विश्वास रखे। और ना ही...

180 ठीक घूम कर आ जाए, वहां सबसे पीछे से होते हुए, सीधे घूमकर आ जाये, और पीछे यहां पर इस पंक्ति में जुड़ जाये। सीधे घूमते आ जाये, एक बड़ी पंक्ति को बनायें। *उस* तरह से होते हुए सीधे घूम कर आये। ऐसे ही।

181 हर एक जन प्रार्थना में रहे। अब वास्तव में विश्वास रखें। बस भीड़ की ओर ध्यान न दे। अब याद रखें यीशु मसीह के उपस्थिति के द्वारा हम ढांके गए है, हम पर भरोसा रखते हुए ताकि हम उसे आदर दे, जो वह हमारे बीच में कर चुका है, उसके वचन में विश्वास रखने के द्वारा।

182 यह अच्छा है। अब यह अच्छा होगा। मैं सोचता हूं कि वो पंक्ति बस अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है।

183 अब जबकि वे सब वहां पर खड़े हुए हैं, मैं चाहता हूं अब हर एक व्यक्ति, जो इमारत में है, अपने सिर को झुकाए।

184 प्रभु यीशु, यह बहुत ही जल्द होगा। उस निर्णय को ठीक अभी लिया गया है। क्या विश्वास करते हैं कि आप यहां पर हैं? क्या हम आप से प्रेम करते हैं? हमारे पास क्या इतना विश्वास है, प्रभु, कि हम क्या मांगने जा रहे हैं? यह लोग एक पंक्ति में खड़े रहने के द्वारा खुद की पहचान को दे रहे

हैं। प्रभु, इसे व्यर्थ में नहीं जाने देना। इसे होने देना, प्रभु, कि वे यहां से होते हुए गुजरें, जैसे हर एक मसीह के नीचे होते हुए गुजरें थे क्योंकि हम जानते हैं वो यहां पर है। और हम प्रार्थना करते हैं कि वे उनकी चंगाई को पायेंगे। मुझे पक्का है कि यहाँ तक आने वाले हफ्तों और हफ्तों में, ये लोग अपने पास्टरो के पास जायेगे, स्त्रियां जिन्हें महिलाओ की समस्या थी, पेट की समस्या, और पुरुष ग्रंथी की समस्या थी, सब प्रकार की तकलीफे, वो चंगे हो जायेंगे, कहते हुए, "तुम जानते हो, वो चीज मुझे अभी छोड़कर चली गई है," क्योंकि वे आपकी उपस्थिति में है। होने पाए वे अब यहां से ऐसे होते हुए आए और—और उस बात को खींच ले जिसके लिए आप मरे है। वे अब्राहम के बीज है, और आपने उनके लिए जय को पाया है। होने पाये वे आकर और उसे ग्रहण करें जो आपने उन्हें दे दिया है।

185 और शैतान तू इस हफ्ते में पूरी तरह से प्रदर्शित हो चुका है, इतना तक कि तू जानता है कि तू एक हारा हुआ जीव है। यीशु मसीह ने उस कलवरी पर तुझे हराया है। वह तीसरे दिन हमारे धर्मीकरण के लिए जी उठा है, और वह आज हमारे बीच में अब खड़ा हुआ है। और हमारा विश्वास उसकी ओर देखता है, और तुझसे दूर है या हर एक चीज जो तूने की है। यीशु मसीह के नाम में इन लोगों को छोड़ दे।

186 [भाई ब्रन्हम और सेवक लोग, बीमारो पर हाथ रखते है, और हर एक के लिए प्रार्थना करते हैं, जो उस पंक्ति में है। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... ? ...

187 हमने बिल्कुल वैसा ही किया है जैसे हमारे गुरु ने हमें करने की आज्ञा दी है। आप में से कितने लोग इस कतार में से होकर गुजरे हैं, विश्वास किया है आप चंगे होने जा रहे है, अपने हाथों को ऊपर उठाये। मैं भी अपने हाथों को आपके साथ उठाता हूं।

188 हम वहां पर अंत में क्या कर रहे थे, जब सेवकों का झुण्ड वहां पर था; उनमें से बहुत से लोग वह बीमार थे, मैं इसे जानता था, लेकिन वे अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे थे कि वह अपने सभा को लोगों को इसमें ले कर आये, कि वे अंदर है या बाहर है। यही वे सच्चे चरवाहे होते हैं। और पवित्र आत्मा ने मुझसे कहा, "एक दुसरे के साथ हाथ मिलाने का उनका कारण है।" और हमने हमारे ह्रदय और जाल की डोर को बांध लिया, और हमारी प्रार्थनाये एक साथ मिलकर हुई है।

189 यीशु उन्हें भी चंगा करें। और उन्हें एक मजबूत चरवाहे बनाये, प्रभु के वचन में मजबूत बनाये।

190 होने पाए परमेश्वर, मेरे भाई लोग, होने पाये वह आपके हृदय की सारी इच्छाओं को दे, होने पाए आप सारे दिनों में उसकी सेवा करें और परमेश्वर का सामर्थ आपके जीवन में हो ताकि आप इस भले लोगो के झुण्ड की सेवा करे। होने पाए यीशु मसीह, जो हमारे साथ हर समय से रहा है और सदा आपके साथ हो, होने पाए वह खुद को आपके लिए और ज्यादा प्रकट बनाये, जो वो हमेशा इससे पहले रहा है, उससे ज्यादा।

191 आप लोग, आप में से कुछ जो अपाहिज थे, आप हो सकता है कुछ समय के लिए कुछ भी फर्क नहीं दिखे, आपको शायद कुछ फर्क नहीं दिखे। देखो अब्राहम ने क्या किया। इससे कुछ भी फर्क नहीं पड़ता जो भी हो; यह वो नहीं जिसे आप देख रहे होते है। आप अपने लक्षणों को ना देखे। उसकी ओर देखें कि उसने क्या कहा है। यदि आप कहते है, "मैं अभी भी दर्द को महसूस करता हूं," इसका इसके साथ कुछ भी लेना देना नहीं है। आपने वही किया है जो परमेश्वर ने करने के लिए कहा है। देखो, उस तरफ मत देखना। उसे देखें जो उसने कहा है। परमेश्वर ने ऐसा कहा था! मैं विश्वास करता हूं। क्या आप नहीं करते? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] अपने पूरे हृदय के साथ, इसे विश्वास करे।

192 प्रभु परमेश्वर, आपको आशीष दें जब तक कि मैं आपसे फिर से नहीं मिलता हूं। मेरी आपके लिये प्रार्थनाये है; और रात अधिक अँधेरी ना हो, बारिश बहुत अधिक ना पडे। मैं आपके लिए प्रार्थना में रहूंगा। आप मेरे लिए प्रार्थना करना। जब तक हम वापस नहीं मिलते हैं, परमेश्वर आपको आशीष दे। अब पास्टर आकर बोलेंगे, देखें।

परीक्षा के बाद शत्रु के फाटक पर अधिकार करना HIN64-0322

(Possessing The Gate Of The Enemy After Trial)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार दोपहर, 22 मार्च, 1964 को देंहम स्प्रिंगस हाई स्कूल, देंहम स्प्रिंगस, लुईसीयाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया, जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2018 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org